मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

माह : मार्च 2026

संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

02.03.2026

1 जल

जल से ही है जीवन,
जल से सारा संसार।
जल ही तो होता है,
सबके जीवन का आधार।।

जल को व्यर्थ नहीं बहाओ,
सावधानी से उपयोग करो।
यह धरा की अनमोल सम्पदा,
समझदारी से उपभोग करो।।

रचना- भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2 धरती

धरती ने हमको पाला,
धरती ने हमको सम्भाला।
धरती में उगाए फूल हम,
फूलों से बनती माला।।

इस धरा का उपकार,
कभी चुका ना पाएँगे।
अधिक से अधिक वृक्ष लगा,
प्रकृति को हम सजाएँगे।।

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

3 पेड़

पेड़ हैं इस धरती का गहना,
पेड़ों की महिमा क्या कहना!
फल, छाया, भोजन और कपड़े,
पेड़ों की सदा रक्षा करना।

ऑक्सीजन देते दुनिया को,
स्वयं विषैली गैसें पीते।
अगर न होते पेड़ धरा पर,
सोचो, भला हम कैसे जीते!

रचना- शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4 मिट्टी

मिट्टी के हैं अनेक प्रकार,
है यह खेती का आधार।
मिट्टी से बर्तन भी बनते,
गमले भी हैं इससे सजते।

मिट्टी से सारा व्यवहार,
मिट्टी है सारा संसार।
देश की मिट्टी माता होती,
हम करते हैं इससे प्यार।।

रचना- बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा

03.03.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 पेड़ो का बचाव

पेड़ों से हमें जीवन मिलता,
छाया, हवा, फल मिलते हैं।
जड़, तना पत्ती सभी उपयोगी,
आओ! पेड़ों का वचाव करते हैं।।

पर्यावरण को हम बचाएँ,
हरतरफ कुछ पेड़ लगाएँ।
तभी शुद्ध वायु मिल पाये,
हरियाली संग शीतलता पाएँ।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

2 मिट्टी कटान रोकना

पेड़-पौधे लगाकर के,
मिट्टी, कटान रोका जाता।
सीढ़ीनुमा खेत बनाकर,
उपजाऊ शक्ति को बचाया जाता।।

मल्चिंग और चेक-डैम का,
खेतों में निर्माण किया जाता।
मिट्टी, कटान रोकने में,
हवा-पानी का बहाव रोका जाता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

3 वृक्षारोपण

उपयोगी हैं वृक्ष हमारे,
गाँव गली हर द्वारे-द्वारे।
वृक्ष धरा के होते भूषण।
करते रहते दूर प्रदूषण।।

शोभा सुन्दरता को धारे,
उपयोगी है वृक्ष हमारे।।
सब प्रश्नों का हल देते हैं,
खट्टे मीठे फल देते हैं।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

4 वृक्षों की सिंचाई

जब कोई पौधे को लगाना,
देखभाल में समय बिताना।
गर्मी में पौधे जाते हैं सूख,
खाद-पानी की लगती भूख।।
रोज़ तुम उनमें पानी डालो,
देख-रेख कर उन्हें सँभालों।
नियमित जब होगी देखभाल,
बनेगा एक दिन वृक्ष विशाल।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

04/03/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 जल संरक्षण

जल संरक्षण करना जरूरी,
पर्यावरण संरक्षण है जरूरी।
पानी की कीमत को जानो,
इसके मोल को तुम पहचानो।।

जल संरक्षण के तरीके अपनाओ,
जल की एक एक बूँद बचाओ।
जल के बिना सब कुछ निर्जीव,
जल से ही है पर्यावरण सजीव।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 वृक्षारोपण

पेड़-पौधे उत्पादक होते,
जीव-जंतुओं को जीवनदान देते।
मानव जब लालच में आया,
वृक्षों का कटान कर डाला।।

पर्यावरण संतुलन संतुलन बिगाड़ डाला,
जीवन संकट में कर डाला।
वृक्षारोपण सबको करना है,
पर्यावरण संरक्षण करना है।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 मृदा संरक्षण

मिट्टी में फसल उगाते,
पेड़-पौधे इसमें लगाते।
मृदा संरक्षण हमें करना है,
मिट्टी को हमें बचाना है।।

मृदा अपरदन रोकना हैं,
उसके पोषक तत्वों को बढ़ाना है।
वृक्षारोपण सब मिलकर करें,
मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते रहें।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 सौर ऊर्जा

पर्यावरण को बचाना है,
सौर ऊर्जा लाभ पाना है।
ना हो इसमें कोई नुक्सान,
सूर्य रौशनी पैनल आसमान।।

घर के उपकरण इससे चलते,
कम खर्च में हर आनंद देते।
अपनी पृथ्वी को हमें बचाना है,
संरक्षण में उचित कदम उठाना है।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

05/03/2026 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 जल

जल से बढ़कर कुछ नहीं,
जल से जीवन है साकार।
जल को बचाओ मिलकर,
जल ही जीवन का आधार।।

हर एक बूंद कीमती है,
इसके बिना है हाहाकार।
जल बचे तो हम बचें,
बचाओ इसको बारम्बार।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 प्रकृति बचाओ

नीला आकाश, हरी ज़मीन,
रखे प्रकृति सबको हसीन।
धुआँ कम हो, शोर घटाएँ,
मिलकर सब जागरूक बन जाएँ॥

हरियाली का दीप जलाएँ,
सूखी धरती को सजाएँ।
आज बचाएँ प्रकृति का मान,
कल सुरक्षित होगा इंसान॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 धरती

ये धरती कितना देती है,
बदले में कुछ ना लेती है।
चीर के छाती को अपनी,
सबको शीतल जल देती है।।

सबकी माँ है ये पृथ्वी,
श्रृंगार है इसका हरियाली।
निर्बुद्धि बनकर पर मानव,
समझे है ख़ुद को बलशाली।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 वृक्ष

वृक्ष लगाये हम हर बार,
शुद्ध वायु मिले घर-बार।
फल,औषधि के भूषण है ये,
गुणकारी हैं वृक्ष हजार।।

हरियाली, सुकून, सुन्दरता देती,
थकान हृदय का यह हर लेती ।
धरा पर इन्हें सुरक्षित रखना,
प्रकृति की सुन्दरता निरखना।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

06/03/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 प्रकृति बचाएँ

धरती और आकाश हैं,
प्रकृति के उपहार।
दूषित करके इनको,
मानव बन गया भार।।

आओ हम पेड़ लगाएँ,
मिलकर प्रकृति बचाएँ।
जल- वायु का महत्व,
समझें और समझाएँ।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 पर्यावरण

चारों तरफ का आवरण,
पर्यावरण कहलाता है।
पेड़-पौधे, पशु-पक्षियों से,
मिलकर यह बनता है।।

मनुष्य अपने प्रयोगों से,
इसे प्रदूषित कर रहा।
पेड़-पौधों को काटने से,
यह असन्तुलन बढ़ रहा।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 प्रकृति की सुरक्षा

प्रकृति ने दिया हमें,
नि:शुल्क यह उपहार।
पेड़ पौधे और वायु,
जल का अदभुत संसार।।

पेड़ पौधों से धरा सजाएँ,
यही हैं जीवन का आधार।
मिलकर करें सुरक्षा इनकी,
तभी सुखी होगा संसार।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 पेड़ लगाये

शुद्ध हवा पाने को,
चहूँओर हम पेड़ लगाये।
प्रदूषण को रोके,
जीवन में खुशहाली पाये।

पानी रखे साफ-स्वच्छ,
कूड़ा-कचरा ना फैलाये।
स्वच्छता का मंत्र अपनाकर,
भविष्य को सुरक्षित बनाये।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

07.03.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 जल संरक्षण

जल है जीवन का आधार,
बूँद-बूँद में बसता है संसार।
टपकता जल, बहता पानी,
लापरवाही की है निशानी।।

जल संरक्षण का,
हम संकल्प लें सदा।
एक-एक बूँद बचाएँ,
बन जाये योद्धा।।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि० लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2 वैश्विक तापन

जीवाश्म ईंधन जलने से,
ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से।
हो रहा है वैश्विक तापन,
परिणाम जलवायु परिवर्तन।।

मुख्य रूप से बढ़ते मीथेन,
कार्बन डाइऑक्साइड से।
पिघल रहे है ग्लेशियर,
बढ़ रहा समुद्री जलस्तर।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा वि टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3 वृक्षारोपण

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ,
धरती को हरा-भरा बनाएँ।
साँसें हमको इनसे मिलती,
जीवन डोर बँधी इनसे रहती।।

जहरीली गैसों का भक्षण करते हैं,
ऑक्सीजन सबको देते रहते हैं।
लकड़ी, छाया, फल यह देते हैं,
परोपकार की शिक्षा भी देते हैं।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

4 मृदा अपरदन

धरती माँ की गोद से,
माटी धीरे-धीरे बह जाती।
लोभ में मानव की ही करनी,
हरियाली को है हर जाती।।

रुके अपरदन मृदा का,
फिर से उपजे खुशहाली।
धरती मुस्काए फिर से,
लाए जीवन में हरियाली।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी स०अ०
कंपोजिट उ०प्रा०वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

सोमवार 09.03.2026

बाल साहित्य सृजन

1

पशु

चार पैर व एक पूँछ के,
चौपाया जिनको कहते हैं।
कहलाते हैं पशु, जानवर,
सब इनके संग रहते हैं।।

कुछ पशु होते सदा पालतू,
कोई जंगली कहलाते।
कोई बहुत खूँखार और कोई,
सीधे-साधे हैं भाते।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्भौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी

2

नदियाँ

नदियाँ हमें है देती जीवन,
फसलों को पानी देती है।
किसानों से पूछकर देखो,
उनको ये जिन्दगानी देती है।।

पर्यावरण का आधार है होती,
प्रदूषण से इनको बचा लो।
देश के विकास में सहायक,
साफ-स्वच्छ इनको बना लो।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3

पक्षी

बाग-बगीचों में चहचहाते पक्षी,
कलरव करते, गुनगुनाते पक्षी।
पर्यावरण को संरक्षित करते,
प्रकृति को महकाते पक्षी।।

गौरैया, तोता, कबूतर, मैना,
कोयल, बाज, मोर आदि पक्षी।
प्रकृति में सभी विचरण करते,
रंग पर्यावरण में अनोखा भरते।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

4

जंगल

धरती की शोभा है इनसे,
जंगल या वन कहलाते।
प्रकृति की ये अनमोल देन,
हम जीवन हैं इनसे पाते।।

ऑक्सीजन, फल, औषधि देते,
शीतलता करते हैं प्रदान।
जंगल इस धरती को बचाते,
पर्यावरण की इनसे शान।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

10.03.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 पेड़ो का बचाव

देखो! सब जन पेड़ लगाते,
लेकिन इनको नहीं बचाते।
पेड़ों की जरुरी है सुरक्षा,
मिलकर हम करेंगे रक्षा।।

कटने से इनको है बचाना,
सबको इनका महत्व बताना।
सारे लोग एक पेड़ लगाओ,
देखभाल कर इन्हें बचाओ।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

2 मिट्टी कटान रोकना

मिट्टी को कटने से बचाओ,
अधिकाधिक पेड़ लगाओ।
जड़ गहरी मिट्टी को जकड़ें,
मिट्टी में पौधे उपजाओ।।

पानी, बाढ़ से मिट्टी रोकें,
पत्ते गिरकर सढ़ जाते हैं।
मिट्टी में मिल खाद बनाते,
बहने से रोक ऊपजाऊ बनाते हैं।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

3 वृक्षारोपण

छोटे पौधों को मिट्टी में,
लगाना पौधारोपण होता।
भूमि सुधार के लिए,
पौधारोपण आवश्यक होता।।

जैव विविधता को,
पौधारोपण बढ़ावा देता।
जलवायु परिवर्तन को रोककर,
वनीकरण को सुन्दर बनाता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

4 वृक्षों की सिंचाई

सबके मन को भाते हैं,
वृक्षों को सिंचित करते।
इनसे सुख पाते प्राणी,
हर मन को रंजित करते।।

आओ! भोलू आओ! गोलू,
मिलकर धूम मचाएँ,गे।
छोटे-बढ़े हरे पेड़ों को,
रगड़-रगड़ नहलाएँगे।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

11/03/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

4आर

कूड़ा करकट मत फैलाओ,
पर्यावरण तुम स्वच्छ बनाओ।
4 आर का सबको रखना ध्यान,
पर्यावरण संरक्षण हमारा काम।।

4 आर का मतलब तुमको बताऊँ,
चार आर से सबकी पहचान कराऊँ।
अस्वीकार, कम प्रयोग, पुनः प्रयोग,
पुनः चक्रण सब करो इसका उपयोग। ।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

जागरूकता

पर्यावरण संरक्षण को,
जागरूकता फैलाएंगे।
स्वयं भी जागरूक होंगे,
औरों को भी जागरूक करेंगे।।

पर्यावरण बचाएंगे,
स्वस्थ जीवन जी पाएंगे।
चारों ओर खुशहाली लाएंगे,
भविष्य भी बचाएंगे।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

हरित अभियान

पर्यावरण को सुरक्षित बनाये,
इस अभियान का है यह उद्देश्य।
आओ मिलकर पेड़-पौधे लगाये,
सुरक्षित करें धरती का भविष्य।।

कचरा प्रबंधन को अपनाना है,
पर्यावरण संतुलन बनाए रखना है।
कार्बन उत्सर्जन कम करना है,
सतत विकास को बढ़ावा देना है।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

नदी परियोजना

नदियों पर बांध बनाकर,
जल नियंत्रित किया जाता।
किसानों की बढ़ गयी आस,
नदी परियोजना ने दिया साथ।

पर्यटन और मछली पालन,
में भारत ने बनायी पहचान।
हर घर हुआ बिजली से रौशन,
परियोजना से मिला कनेक्शन।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

12/03/2026 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 वन बचाओ

जरूरी है वन बचाना,
हरियाली को उगाना।
जीवों के घर न उजड़े,
सबने अब है ये ठाना।।

कितना कुछ देते हमको,
वन हमारे हैं खज़ाना।
दवा, हवा, फल, फूल,
लेने इनके पास जाना।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ, छाया पाओ,
धरती को फिर स्वर्ग बनाओ।
हवा रहे जब साफ-सुथरी,
जीवन होगा खुशियों से भरी॥

नदियाँ गाएँ मधुर कहानी,
रहे न कहीं गंदा पानी।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ,
प्रकृति का मान बढ़ाएँ॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 पर्यावरण बचाओ

आओ मिलकर करें मनन
लुप्त हुए क्यूँ अपने वन
चीर धरा के सीने को
खड़े किए क्यूँ ऊँचे भवन

क्या पहले ना होते थे घर
करके देखो सोच विचार
शिक्षित हुए हैं जबसे हम सब
कर रहे प्रकृति पर प्रहार

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 नदियाँ

कल-कल कर बहती नदियाँ,
सदैव आगे को बढ़ती नदियाँ।
मार्ग में आये कितने भी मुश्किल,
आगे बढ़ो, हमसे कहती नदियाँ।।

जीवनदायी जल है देती,
फसलों से भूमि भर देती।
प्रकृति का है यह उपहार,
सिंचाई होती इनसे सदाबहार।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

13/03/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 स्वच्छ पर्यावरण

प्रकृति के रूप भिन्न-भिन्न,
नदिया पर्वत अम्बर उपवन।
आओ करके इनका संरक्षण,
बनाए सुन्दर स्वच्छ पर्यावरण।।

वन उपवन का कर संरक्षण,
धरा को पहनाये नव आभूषण।
एक-एक बीजरोपित करके,
बनाए सुंदर स्वच्छ पर्यावरण।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 पेड़-पौधे

पर्यावरण सन्तुलन का,
मुख्य भाग हैं पेड़-पौधे।
जीवित रहने के लिए,
शुद्ध वायु का स्रोत हैं पौधे।।

इनके कटाव को रोकना,
हम सबकी जिम्मेदारी है।
सन्तुलन बनाये रखना,
हम सबके लिए जरूरी है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 वृक्ष अनमोल

वृक्ष धरती पर हरियाली लाते,
ये अनमोल जीवन बचाते।
वृक्ष तापमान को नियंत्रित करते,
हम फल फूल और छाया पाते।।

वृक्ष धरा पर खुशियाँ लाते,
प्रदूषण से धरती को बचाते।
परोपकार का है श्रेष्ठ गुण,
वृक्ष हमें यह सिखलाते।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 अनमोल उपहार

वृक्ष धरा की अनुपम कृति,
वृक्ष जीवन का है आधार।
देते प्राणवायु सबको,
प्रकृति का है अनमोल उपहार।।

दैनिक जीवन में उपयोगी,
खाद्यान्न फल आदि के भंडार,
खेतों में लहराती फसले,
छाई प्रकृति के कण-कण में बाहर।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

14.03.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 प्रदूषण नियंत्रण

प्रदूषण है धीमा जहर,
हर साँस पर ढाता है कहर।
अस्थमा, कैंसर, धड़कन थमना,
समय रहते जागरूक होना।।

आओ मिलकर संकल्प करें,
प्रदूषण मुक्त देश की नींव रखें।
प्रदूषण को हराएंगे,
हम धरती को बचाएंगे।।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि० लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2 वन्यजीव संरक्षण

विलुप्तप्राय जीव व वन्य,
जीवो को सुरक्षा व संरक्षण।
को सरकार ने की है पहल,
लाए जागरुकता कार्यक्रम।।

बनाया गया है कानून,
1972 में वन्यजीव संरक्षण।
हो सुदृढ़ पारिस्थितिक तंत्र,
वातावरण व आवास संरक्षण।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा वि टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3 स्वच्छ भारत

स्वच्छ भारत का सपना प्यारा,
हम सबको है इसे संवारना।
गली-गली और गाँव-शहर में,
साफ़-सफाई का दीप जलाना।।

न कूड़ा हम यहाँ-वहाँ फेंकें,
डस्टबिन का उपयोग करें।
स्वच्छ हवा और स्वच्छ धरती से,
जीवन को खुशहाल करें।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

4 अपशिष्ट प्रबन्धन

कूड़ा-कचरा हर ओर पड़ा,
दूषित होती धरती।
साफ-सफाई से ही मिलती,
जीवन में समृद्धि।।

सूखा-गीला अलग करो,
यही सरल उपाय।
स्वच्छ बने परिवेश जब,
खुशहाली फिर आए।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी स०अ०
कंपोजिट उ०प्रा०वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

16.03.2026

1 वृक्षारोपण

लगातार बढ़ता ही जाता,
धरती पर है ताप।
वृक्षारोपण सब करें,
शुरूआत करें आप।।

एक व्यक्ति एक वृक्ष उगाए,
धरती का श्रंगार करे।
घटते जल स्तर की स्थापना,
मिलकर सब सुधार करें।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2 बाँध

नदियों पर कुछ बाँध बना कर,
सूखे खेतों को लहलहा कर।
बिजली का उत्पादन होगा,
रोशन भारत का हर घर होगा।

बड़ा बाँध है भाखड़ा नाँगल,
इससे होता जन जन का मंगल।
सतलज पर यह बना हुआ है,
शान से यह खड़ा हुआ है।।

रचना-
बृजराजसारस्वत (स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

3 जल संरक्षण

एक-एक बूँद जल का संचय,
अब हमको मिलकर करना।
जल हमारे लिए बहुत कीमती,
जल संरक्षण सबको करना।।

व्यर्थ न बहने दें इस जल को,
ख्याल सभी को इसका रखना।
जितनी जरुरत उतना उपयोग कर,
टोंटी को फिर तुम बन्द करना।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

4 ऊर्जा संरक्षण

हर कार्य के लिए ऊर्जा का,
होना बहुत जरूरी है।
ऊर्जा का करो संरक्षण,
विकास के लिए ये जरूरी है।।

बिना जरूरत के पंखे, लाइट,
ए० सी० न तुम चलाओ।
धरा का ताप है ये बढाते,
पर्यावरण को तुम बचाओ।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

17.03.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 पेड़ो का बचाव

वृक्ष लगाओ करो सुरक्षा,
इतना रखना ध्यान।
आँधी-पानी पशु आदि से,
कहीं न हो नुकसान।।

बाड़, लगाओ नव-विकास में,
पड़े नही व्यवधान।
वृक्ष लगाओ और बचाओ,
महके हिन्दुस्तान।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

2 मिट्टी कटान रोकना

पेड़ लगाओ, पेड़ लगाओ,
मिट्टी को कटने से बचाओ।
उपजाऊ मिट्टी बह न जाये,
खेतों में तुम मेड़ बनाओ।।

पेड़ मिट्टी को न बहने देते,
मिट्टी को यह जकड़े रहते।
मिट्टी को बंजर नही बनाना,
ढ़ेर सारे तुम पेड़ लगाना।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

3 वृक्षारोपण

मिट्टी में पौधे रोपित कर,
हरा-भरा रखना भूमि को।
बढ़कर वृक्ष बनेंगे पौधे,
सिंचित करते रहना इनको।।

हरियाली, लकड़ी, फल-फूल,
पौधे का हर भाग दवा।
छाँव मिले इनके नीचे जब,
देते हमको ठण्डी हवा।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

4 वृक्षों की सिंचाई

वृक्षों को पानी देना,
सींचना है कहलाता।
वृक्षों को जीवित रखने में,
जो अहम भूमिका निभाता।।

पर्यावरण की शुद्धता के लिए,
वृक्ष का विकास आवश्यक होता।
पानी जड़ों तक पहुँचाना,
सींचने का अच्छा तरीका होता।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

18/03/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

अपक्षय

मानवीय क्रियाओं से चट्टानों का,
टूटना फूटना अपक्षय कहलाता,
अपक्षय से पर्यावरण पर बहुत ही,
प्रतिकूल प्रभाव विनाशकारी होता।।

पहाड़ों पर भूस्खलन होना ही,
अपक्षय का ही परिणाम होता।
मानव को अब सीख लेनी होगी,
नही तो भयंकर परिणाम होगा।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2

विश्व शांति

विश्व शांति की बात करें,
किसी से भी ना नफरत करें।
चारों ओर जब शांति होगी,
सबके मन में खुशहाली होगी।।

पूरा विश्व है एक बड़ा परिवार,
इसका मालिक है भगवान।
कितना सुंदर विश्व बनाया,
जीने का आधार बनाया।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3

वन सुरक्षा

वनों को बचाना है,
जीवन सुरक्षित करना है।
पेड़-पौधे मिलकर लगाये,
धरती को हरा-भरा बनाये।।

मृदा अपरदन को रोकना है,
वन्य जीव को बचाना है।
वनों का दायरा बढ़ाना है,
पेड़ो को नहीं काटना है।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4

वन्य उद्यान

वन होते धरती की शान,
पृथ्वी पर बसे इनसे जान।
मानव जीवन सुरक्षित रखते,
हमारी मदद दिन रात करते।।

वन्य उद्यान जीव जन्तु आवास,
प्राकृतिक घरों में होता निवास।
सभी जीव सुरक्षा इनका संकल्प,
वन्य उद्यान है एक अच्छा विकल्प।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

वायु प्रदूषण

हवा हो रही जहरीली,
पृथ्वी हमें बचानी है।
वाहनों की संख्या में,
एक बड़ी कमी लानी है।।

प्रदूषित वायु परेशानी है,
बात सबको समझानी है।
पेड़ लगाओ, कार्बन हटाओ,
तरकीब ये अपनानी है।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2

पानी बचाओ

पानी की हर बूंद बचाओ,
भविष्य को सुंदर बनाओ।
कूड़ा कभी न यहाँ-वहाँ फेंको,
धरती माँ का दिल न दुखाओ॥

पेड़-पौधों से प्यार करो,
प्रकृति का सत्कार करो।
स्वच्छ रहे जब यह संसार,
जीवन होगा खुशहाल अपार॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3

वृक्ष बचाओ

एक अगर कट भी जाये,
तो दस है हमें लगाने।
एक दूजे को समझाकर,
वृक्ष है हमें बचाने।।

मीठे फल के साथ साथ,
देते ये हमको छाया।
औषधियों की खान है,
क्या कुछ न इनसे पाया।।

पारुल चौधरी (स॰अ॰)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4

जल संरक्षण

बूंद बूंद हम जल को बचाये,
कल को बेहतर, आज बनाये।
नदी, झरना, ताल, पोखर सब,
जल को संचित कर अमर बने।।

जल बिन जीवन का न कोई मोल,
प्यासे को पानी, लागे अनमोल।
जीव-जंतु वनस्पति को जीवित रखें,
सिंचित जल से, पल्लव लगे कपोल।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

20/03/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 पृथ्वी

हम जल पृथ्वी से पाते हैं,
अन्न इसी का हम खाते हैं।
रहने को यह घर देती है,
बदले में नहीं कुछ लेती है।।

हरी भरी अच्छी लगती है,
माता यह सच्ची लगती है।
सुखा नहीं हो हरियाली हो
पेड़ लगे हों खुशहाली हो।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 पर्यावरण संरक्षण

शुद्ध वायु और स्वच्छ जल,
पर्यावरण की अनमोल देन है।
पेड़-पौधे और जीव-जन्तु,
पर्यावरण के प्रमुख अंग हैं।।

इन सभी का सन्तुलन ही,
पर्यावरण संरक्षण कहलाता है।
मानवीय कारणों को रोककर,
हम सबको इसे बचाना है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 पेड़-पौधे

पेड़-पौधे धरती को,
हरा भरा बनाते हैं।
पेड़ पौधे अपनी धरती से,
प्रदूषण को मिटाते हैं।।

फल, फूल और ऑक्सीजन,
हम पेड़-पौधों से पाते हैं।
अनेक जीव-जन्तु अपना,
आवास पेड़ो पर बनाते हैं।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 स्वच्छता

कूड़ा करकट मत फैलाओ,
धरती अपनी स्वच्छ बनाओ,
जगह जगह रखो कूड़ेदान,
रोग न फैले रखना ध्यान।।

खुली जगह में शौच न जाना,
शुद्ध हवा के लिए पेड़ लगाना,
दूषित न हो पीने का जल,
सुरक्षित बनाओ आज व कल।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

21.03.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 प्लास्टिक मुक्त जीवन

बहुत हुआ यह कृत्रिम जाल,
मन मे है इसका ही मलाल।
प्लास्टिक मुक्त जीवन हो सदा,
कर लें खुद से ये वादा।।

प्रकृति को लौटाएं,
फिर उसकी मुस्कान।
जिये प्लास्टिक मुक्त जीवन,
बनाएं सुन्दर जहान।।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि० लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2 नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत

मुख्य स्रोत है सौर ऊर्जा,
पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा।
जलविद्युत, बायोगैस भूतापीय,
हैं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत।।

पुनः प्राप्त होने वाले स्रोत,
प्रदूषण न करने वाले स्रोत।
कार्बन उत्सर्जन रोकने वाले,
पर्यावरण सुरक्षित रखने वाले स्रोत।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा वि टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3 रिड्यूस, रियूज़, रिसायकिल

कचरे को कम करना,
रिड्यूस इसको कहते हैं।
पुनः उपयोग करना,
रियूज इसको कहते हैं।।

कचरे का पुनः प्रयोग,
रिसायकल कहलाता है।
उद्देश्य है इसका धरती को,
कचरा मुक्त बनाना है।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

4 ई कचरा प्रबन्धन

कचरा नहीं है बस बेकार,
इसमें छुपा है जीवन सार।
सूखा-गीला अलग करें हम,
स्वच्छ बनाएं अपना हर दम।।

रीसायकल का लें हम साथ,
बचे प्रकृति, सजे हर पाथ।
कचरा प्रबंधन अपनाएँ सब,
सुंदर बने हमारा ये धरा-धाम।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी स०अ०
कंपोजिट उ०प्रा०वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

सोमवार

23.03.2026

बाल साहित्य सृजन

1

जीव

जीवों का अद्भुत संसार,
पर्यावरण का है आधार।
मिलजुल कर रहते हैं सारे,
इनकी रक्षा कर लो प्यारे।।

बहुत से जीव लुप्त हो गए,
संकट में कुछ का संसार।
नहीं जंगलों को काटो,
यही हैं इनका घर-द्वार।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

जल

जल जीवन का है आधार,
इसके बिना जीवन दुश्वार।
एक-एक बूँद जल की कीमती,
व्यर्थ बहा मत करो बेकार।।

जितनी जरुरत उतना प्रयोग,
आवश्यकता पर करो उपयोग।
पीने योग्य बहुत कम जल है,
बूँद-बूँद बचाओ यही एक हल है।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

3

वर्षा

रिमझिम वर्षा की पड़ी फुहार,
भीगा जिसमें सारा संसार।
बच्चे बारिश में खूब नहाते,
और कागज़ की नाव चलाते।।

मिट्टी पर जब बूंदे पड़तीं,
एक सौंधी सी महक है उठती।
इस जल का हम संचय कर लें,
इसको तालाबों में भर लें।।

रचना-
बृजराजसारस्वत (स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

4

वायु

पर्यावरण का घटक एक है,
वायु जिसे हम कहते हैं।
नाइट्रोजन, ऑक्सीजन आदि,
कई गैसों के मिश्रण रहते हैं।।

श्वसन और प्रकाश संश्लेषण,
जीवन की सुरक्षा करती है।
वायु बिना आकार व रंग के,
वायु मण्डल की रक्षा करती है।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

24.03.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 पेड़ो का बचाव

जीवन को यदि है बचाना,
पेड़ों को कभी ना काटना।
हर दिन पौधा एक लगाना,
वनों को कटने से बचाना।।

कागज का कम उपयोग करना,
अन्य विकल्पों को अपनाना।
चिपको आन्दोलन अपनाना,
पेड़ों को काटने से बचाना।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा

2 मिट्टी कटान रोकना

पेड़ो की रक्षा आवश्यक,
मृदा, सुरक्षा बहुत जरूरी।
वृक्ष, भूमि के होते रक्षक,
उसका रक्षण बहुत जरूरी।।

खेतों की मेढ़ों पर,
पेड़ लगाओ नागफनी।
ये कटाव को रोक सकेंगे,
मृदा रहेगी स्वस्थ बनी।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

3 वृक्षारोपण

धरती पर जीना है तो,
धरती में खूब पेड़ लगाओ।
एक पेड़ घर के बाहर,
एक स्कूल में रोप कर आओ।।

पेड़ हमें जीवन देते,
फल-फूल भरपूर मिले।
कड़ी धूप में देते छाया,
ठण्डी हवा खूब मिले।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4 वृक्षों की सिंचाई

पौधों को पानी है जरूरी,
जड़ को खोदकर पानी ड़ालो।
वृक्ष बनेंगे देंगे लकड़ी,
फल, फूल, औषधि पालो।।

हवा स्वच्छ और वातावरण,
अच्छा पौधे कर देते हैं।
बड़े पेड़ जब हो जाते तो,
छाया भी हमको देते हैं।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

25/03/2026 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1 हरित युग

भारत का एक सपना,
हरित युग हो अपना।
धरती शस्य श्यामला हो,
नदियाँ कलकल बहती हो।।

प्रदूषण मुक्त भारत हो,
वन संपदा की प्रचुरता हो।
हरित युग का स्वप्न पूरा हो,
मेरा भारत स्वच्छ सुंदर हो।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर

2 स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान का यही हैं नारा,
भारत देश स्वच्छ हो हमारा।
सभी को मिलकर इससे जुड़ना हैं,
चारों ओर स्वच्छता लाना है।।

वातावरण जब स्वच्छ होगा,
सभी का जीवन स्वस्थ होगा।
मन भी पवित्र करना हैं,
भारत को आगे बढ़ना हैं।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ

3 समुद्री जीव संरक्षण

पृथ्वी के बड़े हिस्से में रहते,
विविधताओं से भरे होते।
समुद्री जीवों का संरक्षण करना है,
विलुप्त होती प्रजातियों को बचाना है।।

समुद्रों में प्रदूषण न फैलाये,
लोगों को जागरूक बनाये।
समुद्री जीवों का शिकार रोकना है,
पर्यावरण संतुलित रखना है।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात

4 पर्यावरण शिक्षा

वातावरण हो रहा दूषित,
जहरीली गैस करें प्रदूषित।
वनों,जल का घटता स्रोत,
ना संभले तो बढ़ेगा प्रकोप।।

पर्यावरण शिक्षा जागरूक बनाएं,
प्राणी को उनका कर्तव्य बतलाएं।
तभी होगा स्वस्थ्य पृथ्वी पर आवास,
जब सब प्राणी मिलकर करें प्रवास।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत

26/03/2026 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 प्रदूषण

प्रदूषण से बेहाल है,
अपनी धरती सारी।
करने होंगे प्रयास अब,
नहीं तो होगी गलती भारी।।

वायु, जल और ध्वनि, प्रदूषण,
से होती हैं कई बीमारी।
अभी नहीं संभले हम तो,
भुगतेंगी आने वाली पीढ़ी हमारी।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत

2 प्रकृति है उपहार

चिड़िया चहके, फूल खिलें,
हरे-भरे जब वन मिलें।
नदी-झरने साफ रहें,
सबके चेहरे हँसते रहें॥

प्रकृति देती अमूल्य उपहार,
रखो इसका सदा ध्यान।
आओ सब मिलकर यह ठानें,
पर्यावरण की रक्षा जानें॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर

3 पर्यावरण

मीठे फल के साथ साथ,
पेड़ देते हैं हमको छाया।
औषधियों की खान है,
ये क्या न इनसे पाया।।

पेड़ ही तो होते है,
मानव-जीवन का आधार।
बहुत हुआ अब रोक दो,
इनके कटने की रफ़्तार।।

पारुल चौधरी (स·अ·)
प्राथमिक विद्यालय बसी-3
खेकड़ा, बागपत

4 स्वच्छता

धरती को स्वच्छ बनायेंगे
कूड़ा करकट नहीं फैलायेंगे।
नदी नाले हम स्वच्छ हमारे,
रोग, शोक से रहो किनारे।।

खुले मे तुम शौच न करना,
फैलेगी बिमारी,इससे डरना।
शुद्ध हवा पानी मिले सभी को,
कुडेदान में अवशिष्ट को रखना।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

27/03/2026 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1 प्लास्टिक मुक्त भारत

प्लास्टिक को दूर भगाएँ,
प्रकृति को प्रदूषण मुक्त बनाएँ।
जीवन का यह शत्रु है,
समझें और सबको समझाएँ।।

कपड़े का थैला सिलवाएँ,
उसको ही उपयोग में लाएँ।
आज से ही घर में अपने,
सिंगल यूज प्लास्टिक न लाएँ।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली,बागपत

2 पर्यावरण प्रदूषण

मानव के क्रियाकलापों से,
पर्यावरण प्रदूषित हो रहा।
अनावश्यक आविष्कारों से,
साँस लेना मुश्किल हो रहा।।

वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से,
पशुओं का जीवन खत्म हो रहा।
शहरीकरण के बहुत बढ़ने से,
पर्यावरण सन्तुलन बिगड़ रहा।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर

3 पेड़-पौधे

पेड़ो से धरती का,
आओ करें हम श्रृंगार।
पेड़-पौधे है धरती पर,
जीवन का आधार।।

पौधों का करें वृक्षारोपण,
तभी सुखी होगा संसार।
हरियाली से ही धरती पर,
जीवन और अपना संसार।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4 प्राकृतिक संसाधन

धरती माँ की गोद है,
प्राकृतिक संसाधन का भण्डार।
इनको संरक्षित कर,
दे खुशहाली का उपहार।।

पेड़-पौधो की धरती पर,
आओं करे भरमार।
नदियों, झीलों का करे संरक्षण,
शुद्ध हवा का करें संचार।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत

28.03.2026 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 वर्षा जल संचयन

वर्षा जल की बूँद- बूँद,
बनती जीवन का आधार।
धरती माँ की प्यास बुझाए,
अमृत सा है यह उपहार।।

संचय का यह छोटा कदम,
बड़ा बदलाव लाएगा।
जब धरती पर जल होगा तो,
जीवन भी मुस्कायेगा।।

रचना
रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि० लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2 ऊर्जा की बचत

ऊर्जा की है बहुत जरूरत,
सभी स्रोत हैं बड़े ही सीमित।
सोच समझकर उपयोग करो,
कभी न इसको व्यर्थ करो।।

अनुपयोगी स्विच को बंद करो,
एल ई डी बल्ब उपयोग करो।
सौर ऊर्जा का करें इस्तेमाल,
घर को वातानुकूलित रखो।।

रचना
सुमन पाण्डेय प्र.अ
प्रा वि टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3 प्रदूषण से रोकथाम

प्रदूषण मुक्त धरा बनाना है,
खुशहाल जीवन बनाना है।
पेड़-पौधे खूब लगाना है,
धरती को हरा-भरा बनाना है।।

शुद्ध वायु मिले सभी को,
साफ जल मिले सभी को।
ई-कचरा कम करना है,
4- R को अपनाना है।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

4 सतत कृषि

धरती माँ की गोद में,
हरियाली मुस्काए।
सतत कृषि की राह से,
जीवन सबका पल जाए।।

बीजों में हो शक्ति ऐसी,
जो खुद ही पल जाएँ।
सतत कृषि से सजकर,
हर खेत और तंत्र हर्षाए।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी स०अ०
कंपोजिट उ०प्रा०वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

30.03.2026

1 झील

धरातल का निचला हिस्सा,
जिस पर भरा हुआ है पानी।
चारों तरफ हो भूमि से घिरा,
झील हैं कहते भू विज्ञानी।।

दो प्रकार का जल हो इनमें,
मीठा या फिर खारा।
चिल्का, सांभर, बुलर झील का,
सुन्दर बड़ा नज़ारा।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2 नहरें

नहरें खेती को वरदान,
पर्यावरण का एक आधार।
सूखे में भी पानी देती,
किसानों के सपने साकार।।

नहीं इनको नष्ट होने दें,
हैं सिचाई का यह साधन।
ग्रामीण जन से जानो महत्ता,
करते इनसे जीवन यापन।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3 तालाब

प्राकृतिक रूप से निर्मित पोखर,
वर्षा के जल से भर जाते।
इन्हीं को नाम देते तालाब का,
छोटी जरूरतों में काम आते।।

इनके जल में जानवर नहलाते,
धोबी यहाँ पर कपड़े धोते।
पेड़-पौधों में जल की आपूर्ति,
तालाबों से हम पूरी करते।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

4 महासागर

खारे जल का अथाह सागर,
लहरों का होता है भारी शोर।
मीलों तक यह फैला रहता,
दिखता नहीं कहीं भी छोर।।

विचित्र दुनिया इसके भीतर,
अदभुत है इसका संसार।
नदियाँ सभी मिलती हैं इसमें,
यह उनका है अन्तिम द्वार।।

रचना-
बृजराजसारस्वत (स०अ०)
उ०प्रा०वि०गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्रमथुरा, मथुरा

31.03.2026 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

पेड़ पौधों से मिले जो,
शुद्ध हवा कहलाती है।
ऑक्सीजन से भरपूर,
पर्यावरण को स्वस्थ बनाती है।।

फेंफड़ों को मजबूत बनाकर,
बेहतर नींद देती है।
ऊर्जा का स्तर बढ़ाकर,
शरीर को स्वस्थ रखती है।।

रचना-
उमा ठाकुर (इं०प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय-राजपुर
मथुरा, मथुरा

2

हरे पेड़

नयनों को हरषाते हैं,
धरती को सरसाते हैं।
सबके मन को भाते हैं,
राहत बहुत दिलाते हैं।।

हरे पेड़ से हरियाली है,
जन जीवन में खुशहाली है।
हरे पेड की अनुपम माया,
यात्री को देते हैं छाया।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज

3

उपजाऊ मिट्टी

उपजाऊ मिट्टी वरदान है,
अच्छी उपज की खान है।
भरपूर नमी इसमें है पाते,
गेंहूँ, धान हम खूब उगाते।।

हरी सब्जियाँ खूब उगाओ,
नदी किनारे इसे तुम पाओ।
जहाँ उपजाऊ मिट्टी पाना,
वहाँ एक पेड़ जरूर लगाना।।

रचना-
शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

4

शुद्ध जल

जीवन जीने के लिए हमें,
शुद्ध जल ही पीना है।
शुद्ध हवा, पानी, भोजन से,
शरीर स्वस्थ हमें रखना है।।

हरे पेड़ से हरियाली है,
जन जीवन में खुशहाली है।
हरे पेड की अनुपम माया,
यात्री को देते हैं छाया।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- बृजराज सारस्वत, मथुरा
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- शिखा वर्मा, सीतापुर
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- प्रबीणा दीक्षित, कासगंज
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- पारुल चौधरी, बागपत
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम नैन, बागपत
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम